

उपायशून्य वि. (तत्.) जिसके पास कोई उपाय न बचा हो, निरुपाय।

उपायसप्तक पुं. (तत्.) शत्रु विजय हेतु सात साधनों का समूह- साम, दाम, दंड, भेद, उपेक्षा, माया और इंद्रजाल।

उपायी वि. (तत्.) उपाय-युक्त, जिसके पास उपाय हो बिना. निरुपाय।

उपायुक्त पुं. (तत्.) प्रशा. आयुक्त के नीचे का अधिकारी। deputy commissioner

उपार्जक [उप+अर्जक] वि. (तत्.) उपार्जन करने वाला, धन कमाने वाला।

उपार्जन पुं. (तत्.) 1. परिश्रम या प्रयत्न करके धन कमाना, प्राप्त करना, पैदा करना 2. वैध उपायों से हस्तगत या प्राप्त करना प्रयो. जीविका-उपार्जन का कोई साधन उसके पास नहीं है।

उपार्जित वि. (तत्.) कमाया हुआ, प्राप्त किया हुआ, (धन, यश, पद आदि)।

उपालंभ पुं. (तत्.) 1. उलाहना, शिकायत प्रयो. भ्रमरगीत में कृष्ण के प्रति गोपिकाओं का उपालंभ व्यक्त हुआ है 2. निंदा, दुर्वाक्य 3. वर्जन।

उपावर्तन पुं. (तत्.) 1. पास आना 2. वापस आना 3. चक्कर देना 4. विरत होना।

उपावृत्त वि. (तत्.) 1. लौटा हुआ 2. चक्कर खाया हुआ 3. विरत।

उपाश्रय [उप+आश्रय] वि. (तत्.) छोटा सहारा, सामान्य सहारा।

उपास पुं. (तत्.) व्रत, उपवास।

उपासक वि. (तत्.) 1. पूजा करने वाला, भक्त, आराधक 2. अनुयायी। पुं. (तत्.) भिक्षु से भिन्न बुद्ध का अनुयायी।

उपासना स्त्री. (तत्.) 1. बैठकर ध्यानावस्था में पूजा करना, आराधना 2. पास बैठने की क्रिया 3. सेवा 4. भक्ति उपासना करना।

उपासनात्रय पुं. (तत्.) उपासना के तीन प्रकार ब्रह्मोपासना, मन्त्रोपासना और मूर्ति-उपासना।

उपासनात्रयी स्त्री. (तत्.) वैदिक मंत्रों से स्तुति, हवन एवं लौकिक मंत्रों से स्तवन (स्तोत्र पाठ) ये तीन उपासना की विधियाँ।

उपासनीय वि. (तत्.) 1. उपासना के योग्य 2. आराध्य 3. पूज्य।

उपासा स्त्री. (तत्.) 1. आराधना 2. ब्रह्मचिंतन 3. सेवा वि. (तत्.) 1. जिसने उपवास रखा हो 2. जिसने कुछ न खाया हो, भूखा।

उपासित वि. (तत्.) 1. जिसकी उपासना की जा रही हो या की गई हो 2. आराध्य।

उपासी वि. (तत्.) व्रती, उपवासी, जिसने उपवास रखा हो।

उपास्त्र पुं. (तत्.) 1. छोटा अस्त्र 2. सहायक अस्त्र, मुख्य अस्त्र-शस्त्र के साथ ही आवश्यकता के लिए रखा गया अस्त्र।

उपास्थि स्त्री. (तत्.) लचीला संयोजी ऊतक जो कंकाल का अंग होता है। cartilage

उपास्य पुं. (तत्.) पूजा के योग्य, आराध्य, आराधना किए जाने योग्य।

उपाहार पुं. (तत्.) जलपान, नाश्ता, अल्पाहार।

उपाहारगृह पुं. (तत्.) 1. कार्यालय, कारखाने, रेलवे प्लेटफार्म आदि पर वह स्थान जहाँ जलपान, चाय, नाश्ता आदि की व्यवस्था हो। restaurant

उपेंद्र पुं. (तत्.) 1. इंद्र का छोटा भाई 2. कृष्ण 3. विष्णु।

उपेंद्रवज्रा स्त्री. (तत्.) छंद. एक समवर्णिक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः जगण, तगण, जगण और दो गुरु वर्ण होते हैं।

उपेक्षक वि. (तत्.) 1. जो उपेक्षा करता हो, अनदेखी करने वाला 2. सावधानी से काम न करने वाला, लापरवाह 3. विरक्त।

उपेक्षण पुं. (तत्.) 1. अनादर 2. तिरस्कार, अवहेलना 3. किसी के प्रति लापरवाही करना।